

सम्पादकीय

‘रेल दर्पण’ है पश्चिम रेल के गौरव भाल का सांस्कृतिक चंदन
25 वें अंक के रजत पड़ाव पर आप सबका हार्दिक अभिनंदन !

प्रिय पाठको,

25 का अंक हर किसी के जीवन में काफी अहम माना जाता है। उम्र के लिहाज से देखा जाये, तो 25 वर्ष का होने पर औसतन हर इंसान में अच्छी खासी समझ विकसित हो जाती है और खास तौर पर वह दुनियादारी के तमाम अजब-गजब तौर-तरीकों से भली-भाँति वाकिफ हो जाता है, लेकिन 25 का जिक्र होते ही हमारे ज़ेहन में जो बात सबसे पहले उभरती है, वह है इससे जुड़ा जश्न का पहलू, जो 25 वर्ष पूरे होने पर ‘सिल्वर जुबिली’ या ‘रजत जयंती’ के रूप में मनाया जाता है। अब चाहे ये किसी फिल्म की रिलीज के 25 सप्ताह हों या फिर शादी की 25 वीं सालगिरह, कोई भी ऐसा मौका हमेशा बेहद खास होता है और उसे सम्बंधित व्यक्ति पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। आप में से कुछ पाठक सोच रहे होंगे कि 25 के अंक की महिमा का गुणगान यहाँ किसलिए किया जा रहा है ? तो चलिए जनाब, हम आपको इस सुखद तथ्य से अवगत कराते हैं कि हमारी, आपकी और सबकी प्रिय गृह पत्रिका ‘रेल दर्पण’ का यह 25 वाँ अंक है, जो अब प्रकाशित होकर आपके हाथों में पहुँच चुका है। जी हाँ, आज से लगभग 16 साल पहले वर्ष 2000 में ‘रेल दर्पण’ गृह पत्रिका के प्रकाशन के रूप में पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क विभाग द्वारा जिस पावन अनुष्ठान का श्रीगणेश किया गया था, उसका सृजनात्मक सफ़र अपने सोलहवें वर्ष में पदार्पण कर 25 वें अंक के रजत पड़ाव तक पहुँच चुका है।

हमें खुशी है कि इस दौरान हमारी प्रिय गृह पत्रिका ‘रेल दर्पण’ ने अपनी मुद्रण गुणवत्ता, बेहतर रंग संयोजन, आकर्षक साज-सज्जा, पठनीय सामग्री और सृजनात्मक उत्कृष्टता की बदौलत न सिर्फ लोकप्रियता की नई-नई बुलंदियाँ हासिल की हैं, बल्कि 35 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर अपनी शानदार कामयाबी का परचम हमेशा लहराये रखा है। इन पुरस्कारों में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा निदेशालय द्वारा प्रति वर्ष दिया जाने वाला देश की सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का सर्वाधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार भी शामिल है, जो 14 सितम्बर, 2011 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा पश्चिम रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक महोदय को प्रदान किया गया। इसके अलावा एसोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया (ए बी सी आई), प्रमुख साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संगठन-आशीर्वाद तथा शैलजा नायर फाउंडेशन द्वारा प्रति वर्ष दिये जाने वाले ICE (इनहाउस क्रिएटिव एक्सेलेंस अवार्ड्स) सहित अनेक राष्ट्रीय पुरस्कार ‘रेल दर्पण’ की सृजनात्मक उत्कृष्टता को सुशोभित कर चुके हैं। सफलता के इस शानदार सफ़र का श्रेय ‘रेल दर्पण’ से जुड़े सभी रचनाकारों, सम्पादकीय और डिजाइनिंग टीम के साथ-साथ आप जैसे सभी प्रबुद्ध पाठकों एवं शुभचिंतकों को भी जाता है, जिनकी अनवरत शुभकामनाओं की बदौलत ‘रेल दर्पण’ पत्रिका सफलता के नित नये पड़ाव पार करते हुए आज 25 वें अंक के इस



रजत मुकाम पर पहुँची है। इस शुभ एवं यादगार अवसर पर समस्त ‘रेल दर्पण’ परिवार तथा इससे किसी भी रूप में जुड़े हर व्यक्ति का हम हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

रजत जयंती अवसर के विशेष अंक को वाकई खास बनाने के लिए हमने इस अंक में अपने पिछले 24 अंकों पर आधारित एक विशेष फोटो फीचर का खास उपहार अपने प्रिय पाठकों के लिए पेश किया है, जिसके अंतर्गत

पिछले 24 अंकों के आवरण पृष्ठों के साथ इन अंकों की खास बातों का पुनरावलोकन आकर्षक अंदाज़ में किया गया है। हमारे माननीय रेल मंत्री एवं नये महाप्रबंधक महोदय के संदेशों ने जहाँ हमारा हौसला बढ़ाया है, वहीं सामयिक गतिविधियाँ, कथा कुंज, व्यंग्य वीथिका, स्वास्थ्य चर्चा, सखियों का संसार तथा जिन्दादिली के हरकारे जैसे नियमित स्तम्भ आपको हमेशा की तरह प्रभावित करेंगे। ‘विशेष अतिथि रचनाकार’ की महफिल में इस बार शिरकत की है मशहूर साहित्यकार श्री कैलाश सेंगर ने, वहीं अंग्रेज़ी खंड के ‘स्पेशल इंटरव्यू’ में इस बार आपकी मुलाकात मशहूर फिल्म निर्माता श्री कबीर खान से होगी। पाठक-पीठिका में प्रकाशित विभिन्न प्रतिष्ठित अखबारों में छपी प्रशंसात्मक समीक्षाओं और चिट्ठियों ने हमारा उत्साह निरंतर बढ़ाया है, जिसके लिए हम सभी के हार्दिक आभारी हैं। ऐसी ही एक समीक्षा के जरिये मिले सुझाव के आधार पर हमने इस अंक से हमारी प्रादेशिक भाषा मराठी में भी सामग्री का प्रकाशन करने हेतु ‘माय मराठी’ नामक एक नया स्तम्भ शुरू किया है।

कुल मिलाकर इस 25 वें अंक को हमने हर तरह से खास बनाने की हरसम्भव कोशिश की है। ‘रेल दर्पण’ पत्रिका आज पश्चिम रेलवे के गौरवशाली इतिहास, गतिशील वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य को दर्शाने वाला लोकप्रिय एवं प्रामाणिक दस्तावेज़ बन चुकी है। एक बार फिर आप सभी को इस गृह पत्रिका के 25 वें अंक की हार्दिक बधाई देते हुए मैं अपनी बात को इन पंक्तियों के साथ विराम देता हूँ:-

‘रेल दर्पण’ है पश्चिम रेल के गौरव भाल का सांस्कृतिक चंदन,
25 वें अंक के रजत पड़ाव पर आप सबका हार्दिक अभिनंदन !!

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका शुभाकांक्षी,

(रविंद्र भाकर)

प्रधान सम्पादक एवं
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी